ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBBIL04292
RNI REG. NO. UPBBIL/2014/66218 PP. NO.- 184-188
ISSN NO.-2347-2944
Vol.-9, No.-I, Issues-X YEAR- June -2018

मानव विकास के प्रतिमान

डॉ0 पारस नाथ मौर्य
एसोशिएट प्रोफेसर– अर्थशास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी (उ0प्र0), भारत

मानव विकास एक देश के विकास का महत्वपूर्ण तत्व है। मानव विकास व्यक्तियों के चुनाव के विस्तार, स्वतंत्रता एवं क्षमताओं का विस्तार तथा संसाधनों की पहुँच से सम्बन्धित है। मानव विकास के प्रोत्साहन में स्थानीय, राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर समानता एवं सशक्तीकरण की सम्पोषणीयता आवश्यक है। मानव विकास के सन्दर्भ में स्वतंत्रता एवं क्षमताएँ मूलभूत आवश्यकताओं से अधिक महत्वपूर्ण तत्व है। वंचित वर्ग मानव विकास के मुख्य केन्द्र हैं। इसमें भविष्य में हमारी गतिविधियों से उत्पन्न जोखिमों के गम्भीर परिणामों से पीड़ित होने वाले लोग भी शामिल हैं। मानव विकास का दृष्टिकोण वर्तमान एवं भविष्य में विश्व में इस धारणा के प्रति दीर्घकालीन महत्व की भावना विकसित करने तथा इसकी चुनौतियों के प्रति जागरूक करने में योगदान करता है। प्रस्तुत शोध पत्र में मानव विकास के प्रतिमानों की स्थिति का विश्लेषण किया गया है।

मानव विकास सूचकांक की अवधारणा– अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विकास की माप हेतु मानव विकास सूचकांक का उपयोग किया जाता है। इससे विश्व स्तर पर विभिन्न देशों में मानव के सशक्तिकरण के स्तर का ज्ञान होता है। इस सूचकांक का प्रतिपादन सन् 1990 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम यन्छक्च्द्ध से जुड़े पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब–उल–हक तथा भारतीय अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन आदि ने किया था। सन् 1990 से प्रतिवर्ष संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा एक मानव विकास रिपोर्ट जारी की जाती है।

मानव विकास सूचकांक तीन सूचकों (दीर्घायु, शैक्षणिक उपलब्धि एवं जीवन निर्वाह स्तर) पर आधारित है। मानव विकास सूचकांक के निर्माण के प्रथम चरण में तीनों सूचकों के अलग–अलग सूचकांक ज्ञात किये जाते हैं। तत्पश्चात् द्वितीय चरण में तीनों सूचकांकों का सरल औसत निकाल कर मानव विकास सूचकांक का निर्माण किया जाता है। मानव विकास सूचकांक का न्यूनतम मूल्य शून्य तथा अधिकतम मूल्य एक होता है। यह मूल्य के आधार पर विश्व के विभिन्न देशों का आपसी क्रम निर्धारित करता है।

मानव विकास की स्थिति– सारणी संख्या 1 में मानव विकास सूचकांक एवं उसके विभिन्न घटकों को दर्शाया गया है। वर्ष 2015 में विकासशील देश 0.668 मूल्य के साथ मध्यम मानव विकास वाले समूह में थे। उप सहारा अफ्रीका निम्न मानव विकास समूह में जबकि यूरोप एवं मध्य एशिया तथा लातिन अमेरिका एवं कैरेबियाई देश उच्च मानव विकास समूह में थे। भारत 0.624 मूल्य के साथ मध्यम विकास वाला देश था जबकि नार्वे 0.949 मूल्य के साथ उच्च स्थान पर था।

सारणी 1 : मानव विकास सूचकांक एवं उसके घटक

मानव विकास सूचकांक श्रेणी	मानव विकास सूचकांक	जीवन प्रत्याशा	स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष	स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष	प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई)
	मान 2015	वर्षों में 2015	वर्षों में 2015	वर्षों में 2015	(2001 पीपीपी डालर) 2015
मानव विकास सूचकांक समूह					
अति उच्च मानव विकास	0.892	79.4	16.4	12.2	39,605
उच्च मानव विकास	0.746	75.5	13.8	8.1	13,844
मध्यम मानव विकास	0.631	68.6	11.5	6.6	6,281
निम्न मानव विकास	0.497	59.3	9.3	4.6	2,649
विकासशील देश	0.668	70.0	11.8	7.2	9,257
क्षेत्र					
अरब राज्य	0.687	70.8	11.7	6.8	14,958
पूर्व एशिया एवं प्रशान्त	0.720	47.2	13.0	7.7	12,125
यूरोप एवं मध्य एशिया	0.756	72.6	13.9	10.3	12,862
लातीन अमेरिका और कैरिबियाई	0.751	75.2	14.1	8.3	14,028
दक्षिण एशिया	0.621	68.7	11.3	6.2	5,799
उप–सहारा अफ्रीका	0.523	58.9	9.7	5.4	3,383
न्यूनतम विकसित देश	0.508	63.6	9.4	4.4	2,385
आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन	0.667	70.3	11.5	8.1	7,303
विश्व	0.717	71.6	12.3	8.3	14,447
भारत	0.624	68.3	11.7	6.3	5,663
नार्वे	0.949	81.7	17.7	12.7	67,614

अनुरूपी लेखक

सारणी संख्या 2 में मानव विकास सूचकांक में परिवर्तन की प्रवृत्ति को दर्शाया गया है। वर्ष 1990 से 2015 की अवधि में अन्य समूहों की तुलना में निम्न मानव विकास वाले समूह में औसत वार्षिक मानव विकास सूचकांक की प्रतिशत वृद्धि सर्वाधिक (1.35) थी जबकि अति उच्च मानव विकास विकास समूह में मात्र 0.48 प्रतिशत, उच्च मानव विकास समूह में 1.06 प्रतिशत तथा मध्यम मानव विकास समूह में 1.23 प्रतिशत है। यही प्रवृत्ति न्यूनतम विकसित देशों में पायी गयी। इससे स्पष्ट होता है कि पिछड़े देशों एवं समूहों में मानव विकास की अधिक सम्भावनाएं हैं। भारत में भी यह प्रतिशत उच्च मानव विकास वाले देश नार्वे की तुलना में अधिक है।

सारणी 2: मानव विकास सूचकांक में परिवर्तन की प्रवृत्ति

मानव विकास सूचकांक श्रेणी	मानव विकास सूचकांक					औसत वार्षिक मानव विकास सूचकांक वृद्धि				
	मान					प्रतिशत में				
	1980	1990	2000	2010	2015	1980–90	1990–2000	2000–2010	2010–2015	1990–2015
मानव विकास सूचकांक समूह										
अति उच्च मानव विकास	0.773	0.791	0.836	0.876	0.892	...	0.55	0.48	0.35	0.48
उच्च मानव विकास	0.605	0.574	0.637	0.716	0.746	...	1.04	1.19	0.83	1.06
मध्यम मानव विकास	0.419	0.465	0.525	0.598	0.631	...	1.23	1.31	1.09	1.23
निम्न मानव विकास	0.315	0.356	0.388	0.475	0.497	...	0.89	2.02	0.92	1.35
विकासशील देश	....	0.514	0.569	0.640	0.668	...	1.02	1.18	0.85	1.05
क्षेत्र										
अरब राज्य	0.443	0.556	0.611	0.672	0.687	....	0.96	0.95	0.45	0.85
पूर्व एशिया एवं प्रशान्त	0.432	0.516	0.595	0.688	0.720	....	1.45	1.45	0.92	1.35
यूरोप एवं मध्य एशिया	0.651	0.652	0.667	0.732	0.756	....	0.23	0.95	0.63	0.59
लातीन अमेरिका और कैरिबियाई	0.574	0.626	0.685	0.730	0.751	...	0.92	0.63	0.58	0.74
दक्षिण एशिया	0.357	0.438	0.502	0.583	0.621	....	1.38	1.51	1.25	1.40
उप–सहारा अफ्रीका	0.366	0.399	0.421	0.497	0.523	...	0.54	1.67	1.04	1.09
न्यूनतम विकसित देश	0.290	0.347	0.399	0.481	0.508	..	1.40	1.90	1.08	1.54
आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन	....	0.785	0.835	0.872	0.887	..	0.62	0.44	0.33	0.49
विश्व	0.561	0.597	0.641	0.696	0.717	..	0.71	0.82	0.61	0.74
भारत	0.345	.0428	0.494	0.580	0.624	..	1.45	1.62	1.46	1.52
नार्वे	0.804	0.849	0.917	0.939	0.949	....	0.77	0.24	0.21	0.45

महिला एवं पुरूषों के मध्य तथा विभिन्न समूहों के मध्य अधिक समानता न केवल आवश्यक है, बल्कि मानव विकास में प्रोत्साहन के लिए महत्वपूर्ण है। सारणी संख्या 3 में असमानता समायोजित मानव विकास सूचकांक को प्रदर्शित किया गया है जिससे स्पष्ट होता है कि वैश्विक स्तर पर असमानता व्याप्त है। इस असमानता के कारण सभी देशों, क्षेत्रों एवं समूहों को मानव विकास के सम्बन्ध में हानि होती है। यदि असमानता को दूर करने के लिए बनायी गयी नीतियों एवं प्रयासों को धरातल पर लाकर समानता लायी जाये वैश्विक स्तर पर मानव विकास की मात्रा को बढ़ाया जा सकता है जो मानव कल्याण में वृद्धिकारक होगा।

सारणी 3: असमानता समायोजित मानव विकास सूचकांक

मानव विकास सूचकांक श्रेणी	मानव विकास सूचकांक	असमानता समायोजित एचडीआई	असमानता समायोजित जीवन प्रत्याशा सूचकांक	असमानता समायोजित शिक्षा सूचकांक	असमानता समायोजित आय सूचकांक
मानव विकास सूचकांक समूह					
अति उच्च मानव विकास	0.892	0.793	0.865	0.797	0.723
उच्च मानव विकास	0.746	0.597	0.764	0.535	0.521
मध्यम मानव विकास	0.631	0.469	0.578	0.357	0.500
निम्न मानव विकास	0.497	0.337	0.392	0.258	0.377
विकासशील देश	0.668	0.499	0.619	0.391	0.515
क्षेत्र					
अरब राज्य	0.687	0.498	0.642	0.347	0.556
पूर्व एशिया एवं प्रशान्त	0.720	0.581	0.740	0.505	0.526
यूरोप एवं मध्य एशिया	0.756	0.660	0.702	0.670	0.611
लातीन अमेरिका और कैरिबियाई	0.751	0.575	0.730	0.537	0.486
दक्षिण एशिया	0.621	0.449	0.570	0.314	0.504
उप–सहारा अफ्रीका	0.523	0.355	0.389	0.297	0.386
न्यूनतम विकसित देश	0.508	0.356	0.466	0.264	0.366
आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन	0.887	0.776	0.83	0.758	0.704
विश्व	0.717	0.557	0.658	0.458	0.573
भारत	0.624	0.454	0.565	0.324	0.512
नार्वे	0949	0.898	0.918	0.894	0.882

सारणी संख्या 4 मानव विकास के एक महत्वपूर्ण प्रतिमान लैंगिक विकास सूचकांक दर्शाती है। यह सूचकांक मानव विकास में लिंग के आधार पर विषमता को मापता है। लैंगिक विकास सूचकांक मानव विकास उपलब्धियों में महिला एवं पुरूषों के बीच तीन प्रमुख आयामों– स्वास्थ्य, ज्ञान एवं जीवन–स्तर के लैंगिक अन्तराल को मापता है। यह सूचकांक लैंगिक अन्तराल की एक प्रत्यक्ष माप है। यह सूचकांक पुरूषों की तुलना में महिलाएँ के पिछड़ेपन को दर्शाने के साथ ही महिलाओं की स्थिति बेहतर करने के लिए तर्क भी प्रस्तुत करता है। सारणी से स्पष्ट होता है कि उच्च मानव विकास वाले समूहों की तुलना में निम्न मानव विकास वाले समूहों में लैंगिक विषमता अधिक व्याप्त है जो इनके पिछड़ेपन को एक कारण भी है। यदि इस विषमता को दूर करके महिलाओं को भी समान अवसर प्रदान किये जाएं तो ऐसे देश एवं समूह उच्च विकास लक्ष्य प्राप्ति को सम्भव बना सकते हैं।

सारणी 4: लैंगिक विकास सूचकांक

मानव विकास सूचकांक श्रेणी	लैंगिक विकास सूचकांक	मानव विकास सूचकांक (मान)		जन्म पर जीवन प्रत्याशा (वर्ष)		प्रत्याशित शिक्षा के वर्ष (वर्ष)		स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष (वर्ष)	
		महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष
मानव विकास सूचकांक समूह									
अति उच्च मानव विकास	0.980	0.881	0.898	82.4	76.6	16.7	16	12.1	12.2
उच्च मानव विकास	0.958	0.728	0.760	77.4	73.4	14.1	13.6	7.8	8.3
मध्यम मानव विकास	0.871	0.582	0.668	70.4	66.8	11.5	11.3	5.6	7.8
निम्न मानव विकास	0.849	0.455	0.536	60.7	58	8.5	10.0	3.6	5.6
विकासशील देश	0.913	0.635	0.695	71.9	68.2	11.8	11.9	6.5	7.9
क्षेत्र									
अरब राज्य	0.856	0.621	0.726	72.8	69.1	11.4	12.1	5.9	7.6
पूर्व एशिया एवं प्रशान्त	0.956	0.704	0.736	76.2	72.3	13.3	13.0	7.3	8.0
यूरोप एवं मध्य एशिया	0.951	0.733	0.770	76.3	68.7	13.7	14.0	9.9	10.7
लातीन अमेरिका और कैरिबियाई	0.981	0.743	0.757	78.4	72	14.7	13.8	8.3	8.3
दक्षिण एशिया	0.822	0.549	0.667	70.2	67.4	11.3	11.1	4.9	7.8
उप–सहारा अफ्रीका	0.877	0.488	0.557	60.2	57.0	9.1	10.3	4.5	6.3
न्यूनतम विकसित देश	0.874	0.473	0.541	65.1	62.1	8.1	9.9	3.7	5.2
आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन	0.974	0.873	0.896	82.9	77.7	16.2	15.7	11.7	12.0
विश्व	0.938	0.693	0.738	73.8	69.6	12.4	12.3	7.7	8.8
भारत	0.819	0.549	0.671	69.9	66.9	11.9	11.3	4.8	8.2
नार्वे	0.993	0.944	0.951	83.7	79.7	18.3	17.1	12.8	12.7

सारणी 5 : स्वास्थ्य एवं शिक्षा से संबंधित चर

मानव विकास सूचकांक श्रेणी	स्वास्थ्य संबंधी चर			शिक्षा संबंधी चर		
	स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्यय (प्रतिशत जीडीपी)	चिकित्सक (प्रति 10,000 व्यक्तियों पर)	मृत्यु दर (प्रति 1,00,000 व्यक्तियों पर)	शिक्षा पर सरकारी व्यय (प्रतिशत जीडीपी)	साक्षरता दर (प्रतिशत में 15 वर्षों से अधिक उम्र)	कम से कम माध्यमिक शिक्षा प्राप्त जनसंख्या (25 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग का प्रतिशत)
				2005–2015	2005–2015	2010–2014
मानव विकास सूचकांक समूह						
अति उच्च मानव विकास	7.5	30.9		5.1	..	88.8
उच्च मानव विकास	3.4	19.0		..	95.3	70.6
मध्यम मानव विकास	1.8	7.3		3.9	76.4	49.1
निम्न मानव विकास	1.7	1.8		3.8	60.9	20.3
विकासशील देश	3.0	11.5		..	83.3	57.7
क्षेत्र						
अरब राज्य	3.0	15.6		..	80.7	47.0
पूर्व एशिया एवं प्रशान्त	3.0	15.4		...	95.7	68.9
यूरोप एवं मध्य एशिया	3.7	25.8		...	98.1	81.7
लातीन अमेरिका और कैरिबियाई	3.6	19.6		5.4	93.2	58.1
दक्षिण एशिया	1.6	6.8		3.4	70.3	47.9
उप–सहारा अफ्रीका	2.4	1.9		4.8	64.3	29.6
न्यूनतम विकसित देश	1.8	1.8		3.3	63.3	25.7
आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन	7.7	27.5		5.1	..	85.5
विश्व	6.0	14.9		5.0	84.3	64.9
भारत				3.8	72.1	48.7
नार्वे				7.4	..	95.3

निष्कर्ष– मानव विकास किसी भी देश के विकास की एक आवश्यक एवं अनिवार्य शर्त बन गया है। देश के नागरिकों के उचित एवं सन्तुलित विकास के बिना विकास के उच्च पायदान पर नहीं पहुंचा जा सकता है। मानव विकास के लिए एक दीर्घकालीन दृष्टि के साथ कार्य किया जाना आवश्यक है। इसमें नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं प्रशिक्षण जैसी सुविधाओं की गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति के साथ ही उन्हें चुनाव की अवसर प्रदान किया जाना आवश्यक है जो निष्पादन के रूप में औद्योगिक विकास, बाजार नियमन, निर्यात प्रोत्साहन, एवं तकनीकी प्रगति को सुनिश्चित करेगा। आज समय आ गया है कि मानव विकास को उच्च प्राथमिकता प्रदान की जाए जिसके लिए मनुष्य आधारित नीतियों को अपनाया जाना अपरिहार्य है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Morris, Morris David ;January 1980) : The Physical Quality of Life Index ;PQLI), Development Digest.
2. Nussbaum, Martha and Sen, Amartya ;ed.) : The Quality of Life, Clarendon Press, Oxford, 1993.
· UNDP : Human Development Reports, United Nations Development Programme, USA.
3. कुमार, वी. (2007): जनांकिकी, साहित्य भवन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स (प्रा.) लि., आगरा।

*****